साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 । अंक : 31 | गोंदिया : गुरुवार, 11 से 17 मार्च 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

भवन निर्माण में लगने वाले

लाल ईंटों के भाव आसमान पर

आवास योजना के लाभार्थियों को हो रहा आर्थिक नुकसान

नवीन अग्रवाल – भवन निर्माण में लगने वाली सामग्री के भाव आसमान पर पहुंच चुके हैं। गत वर्ष की तुलना में लाल ईंटा, गिट्टी, रेती के भाव दोगुने हो चुके हैं। जिससे आवास योजना के लाभार्थियों के साथ ही भवन निर्माण करने वालों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही जिले में अब तक ईट भट्टों को मंजूरी नहीं मिलने से मध्यप्रदेश की ईटा पहुंच रह है।

गौरतलब है कि भवन निर्माण के लिए ईंटा, गिट्टी, सीमेंट, लोहा आदि की आवश्यकता होती है। लेकिन इस वर्ष इन सामग्रियों के दाम दुगने हो जाने से आवास योजना के तहत मकान का निर्माण करने वाले लाभार्थियों व सामान्य नागरिक जो भवन का निर्माण कर रहे हैं, को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसमें मुख्य रुप से मिट्टी से निर्माण होने वाली लाल ईंटा जो गत वर्ष ५००० रुपए प्रति हजार थी, इस वर्ष ७५०० से ८००० रुपये प्रति हजार की दर पर बेची जा रही है।

आवास योजना के हजारों लाभार्थियों को आर्थिक नुकसान

गोंदिया जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना, रमाई आवास योजना, शबरी आवास योजना के तहत हजारों मकानों का निर्माण कार्य चल रहा है। इस वर्ष ईटों के दाम ७ से ८ हजार रुपये हो जाने से आवास योजना के लाभार्थियों को काफी आर्थिक नुकसान हो रहा है। जिसमें उनमें असंतोष भी निर्माण हो रहा है, क्योंकि भवन निर्माण की किसी भी सामग्री पर सरकार का दर नियंत्रण नहीं होने से मनमानी कीमतों पर मटेरियल खरीदना पड़ रहा है।

ईंटा भट्टो को पर्यावरण विभाग की नहीं मिली मंजूरी

गोंदिया जिले में गत २ वर्षों से रेती घाटों को पर्यावरण विभाग की मंजूरी नहीं मिलने से नीलामी

में देरी हुई। उसी प्रकार इस वर्ष भी पर्यावरण विभाग व वन विभाग की मंजूरी नहीं मिलने से अब तक ईट भट्टो को शासन द्वारा मंजूरी नहीं दी गई है। जिसके चलते जिले में अनाधिकृत रुप से ईट भट्टे चलाए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश की सस्ती ईंटा जिले में

गोंदिया जिले से लगे हुए मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में लाल ईंटों का निर्माण बड़े पैमाने पर होता है। जहां पर कच्चे मटेरियल की कीमतें कम होने से लागत कम होती है, जिससे वहां की ईटा सस्ती है। वहां के व्यवसायी गोंदिया जिले में बिक्री कर रहे हैं। हालाकी सस्ती ईंटा से आवास योजना व भवन निर्माण करने वालों को कुछ लाभ तो होता है। लेकिन शासन के राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है। साथ ही कई बार बिना रायल्टी के भी मध्यप्रदेश की ईट गोंदिया जिले में आती है। जिसके चलते जिले के ईट व्यवसायी द्वारा गत दिनों इसका विरोध कर रावणवाड़ी में मध्यप्रदेश से आने वाले ईटा के ट्रकों को रोका गया तथा जांच किए जाने पर अधिकांश वाहनों में रायल्टी नहीं थी, इसकी जानकारी राजस्व विभाग को दिए जाने पर अधिकारियों द्वारा कार्रवाई भी की गई थी।

फ्लाईएस की ईटें भी हुई महंगी

पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए गोंदिया जिले के तिरोड़ा में अदानी विद्युत प्रकल्प से निकलने वाली फ्लाईएश से ईटों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। लेकिन उसकी भी कीमतों में बढ़ोतरी हो जाने से लाल ईटें व फ्लाईएस ईटों की दर में काफी कम अंतर रह गया है। वर्तमान में फ्लाईएश से निर्मित ईटा ५ से साड़े ५ हजार रुपए प्रति हजार की दर से मिल रही है।

१७७ ईट भट्टों पर कार्रवाई

गोंदिया जिले में इस वर्ष अनाधिकृत रुप से चल रहे १७७ ईट भट्टों पर कार्यवाही की गई तथा उनसे जुर्माना वसूल करने की प्रक्रिया शुरु की गई है। फिलहाल २ से ३ भट्टो को मंजूरी दी गई है।

– आदेश डफर, तहसीलदार गोंदिया

जिला खनिकर्म विभाग से नहीं मंजूरी

गोंदिया जिले में जिला खनिकर्म विभाग द्वारा ईट भट्टों को मंजूरी नहीं दी जाती है। उन्हें सिर्फ मिट्टी उत्खनन की मंजूरी दी जाती है। लेकिन अब तक किसी को भी मंजूरी नहीं दी गई है।

– सचिन वाढवे,
जिला खनिकर्म अधिकारी गोंदिया

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी से ईट की कीमत बढ़ी

ईट निर्माण के लिए लगने वाला कच्चा मटेरियल धान का भूसा का रेट इस वर्ष दुगना हो गया है। जहां गत वर्ष ढाई सौ रुपए क्विंटल पर भूसा मिल रहा था, वहीं इस वर्ष ५०० रुपए क्विंटल हो गया है। इसके साथ ही मजदूरी भी बढ़ जाने से पक्की ईट की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।

– गणेश तुरकर, ईट भट्टा व्यवसायी

ट्रेन से कटकर शेर की मौत

पिंडकेपार–गोगले रेलवे मार्ग की घटना

गोंदिया - गोरेगांव वन परीक्षेत्र अंतर्गत आने वाले पिंडकेपार-गोगले रेलवे मार्ग पर बाघ की ट्रेन से कटकर मौत हो जाने की घटना ८ मार्च की सुबह ८ बजे के दौरान सामने आयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंद्रपुर की ओर से गोंदिया की ओर आ रही मालगाड़ी की चपेट में आकर पिंडकेपार-गोगले रेल मार्ग पर पोल क्रमांक १०२५ के समीप शेर की मौत हो गई। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि मृतक बाघ लगभग १ वर्ष का है। घटना की जानकारी मिलती ही उपवन संरक्षक कुलराज सिंह, एसीफ आर.आर.सदगीर, नागझिरा अभयारण्य की उपसंचालक पूनम पाटे, जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, गोरेगांव विभाग के क्षेत्र सहायक धुर्वे, स्वप्निल दोनोंडे आदि घटनास्थल पर पहुंचे। घटना का पंचनामा कर बाघ का अग्निदाह कर दिया गया। बता दे की ३ दिन पूर्व ही गंगाझरी रेलवे मार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से २ भालूओं की मौत हुई थी।

विशेष यह है कि गोंदिया से चंद्रपुर की रेलवे लाईन जिले के संरक्षित वन क्षेत्र नागझीरा के मध्य से होकर गुजरती है। जिससे आए दिन वन्यजीव ट्रेन की चपेट में आकर अपनी जान गवा देते हैं। घटना के समय क्षेत्र की प्रसिद्ध शेरनी टी-१४ अपने तीन शावकों के साथ रेलवे लाईन पार कर रही थी। जिसकी चपेट में आकर एक शावक की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकाल शुरु होते ही पानी की तलाश में भी वन्य जीव भटकने लगते हैं। जिससे दुर्घटना तथा शिकारियों के शिकार भी हो जाते हैं। वन विभाग से मांग की जा रही है कि रेलवे लाईन के दोनों ओर सुरक्षा की दृष्टि से तार लगाकर वन्य जीवों की जान बचायें।

शेर का पंजा गायब

ट्रेन से कटकर शेर का एक पैर धड़ से अलग हो गया है। लेकिन घटनास्थल पर पंचनामा के दौरान यह बात सामने आयी कि शेर का कटा हुआ एक पैर घटना स्थल से गायब था। आशंका जताई जा रही है कि कही कटा पैर रेलवे गाड़ी से चिपककर तो नहीं चला गया। गायब पैर की तलाश में वन विभाग जुट गया है।

शेर का पंजा काट कर ले जाने वाले दो रेलवे कर्मचारी वन विभाग की हिरासत में

गोंदिया- गोंदिया-बल्लारशाह रेलवे मार्ग पर ८ मार्च को मालगाड़ी की टक्कर से शेर की मौत हो गई थी। इस घटना के पश्चात शेर का एक पंजा गायब था, जिसकी

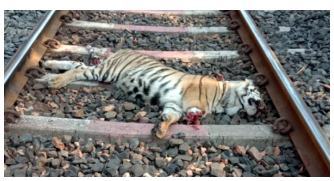

तलाश वन विभाग द्वारा की गई थी। इसी दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से दुर्घटना के पश्चात मृतक शेर के फोटो वायरल हुए थे। जिसमें उसका कटा हुआ पंजा सही सलामत दिखाई दे रहा था। जिसके पश्चात वन विभाग द्वारा स्वान पथक के माध्यम से तलाश शुरु की तो घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर रेलवे पटरी के बीच में छिपाकर रखा गया कटा हुआ पंजा बरामद हुआ। विशेष यह है कि जब वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर जांच के लिए मौजूद थे तो आरोपी भी वहां उपस्थित थे तथा घटना के पश्चात आरोपियों ने भी कटा हुआ पंजा ढूंढने का नाटक करते हुए जांच टीम को सहयोग भी दिया था। घटना के उपरांत सुनेपन का फायदा उठाकर रेलवे कर्मचारी आरोपी गैंगमैन तथा चाबीदार ने शेर का पंजा काटकर कुछ ही दूर पर छुपा दिया था। मामले की जांच उपवन संरक्षक कुलराज सिंह, सहायक वन संरक्षक एस.एस. सदगीर के मार्गदर्शन में गोरेगांव के वन परीक्षेत्र अधिकारी प्रवीण साठवने ने द्वारा की जा रही है।

हाईवे के आठ लुटेरे देवरी पुलिस की हिरासत में

गोंदिया जिले के देवरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय महामार्ग पर लूटपाट करने वाले ८ लुटेरों को देवरी पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर १४ लाख ३५ हजार रुपये का माल बरामद किया।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय महामार्ग पर वाहनों को लूटने वाले गिरोह का आतंक हमेशा बना रहता है। इसी के चलते २८ फरवरी को नागपुर निवासी फरियादी प्रवीण धांडे अपने ट्रक क्रमांक सीजी ०७ सीए ३४०० से लिंगराज कंपनी रायपुर छत्तीसगढ़ से २५ टन ४० किलो लोहे की सरिया जिसकी अंदाजन कीमत १२ लाख ४५ हजार ६३३ रुपए भरकर जा रहा था। मौजा देवरी हाईवे के समीप एक सफेद बिना रंग की चौपइया वाहन में सवार ८ अज्ञात लोगों ने ट्रक रोककर फरियादी के हाथ पैर बांधकर पीछे की सीट पर डालकर ट्रक लेकर फरार हो गए। उन्होंने उसे नागमीड से नागपुर मार्ग पर नोखड़ा गांव के समीप छोड़ दिया। जिसकी शिकायत फरियादी द्वारा नागमीड पुलिस थाने में दर्ज करवाई। पुलिस ने धारा ३४१ ३९५ के तहत मामला दर्ज कर देवरी पुलिस के सुपुर्द किया। पश्चात प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे व अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी के मार्गदर्शन में देवरी पुलिस व लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा पथक तैयार कर फरियादी के बताए अनुसार भंडारा, नागपुर, नागमिड जाकर गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम डोंगरगांव पुलिस स्टेशन हिंगना जिला नागपुर निवासी आरोपी पप्पू हसन को हिरासत में लिया। जिससे पूछताछ पर प्राप्त जानकारी से गुमगांव निवासी शुभम चक्रवर्ती, कृषम चिरुटकर, अरुण वड़खड़े, महेंद्र गमधरे, अभिलेख गावतूरे, अशोक दूधनाग को गिरफ्तार कर देवरी लाकर न्यायालय में पेश किया गया।

चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद महाराष्ट्र को आगे बढ़ाने का बजट, समाज के सभी वर्गो को राहत - मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई – मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र कोरोना के कारण सकल राज्य आय में ८ प्रतिशत की गिरावट के बावजूद कृषि, बुनियादी ढांचे, उद्योग और निवेश को अधिक प्रोत्साहन देकर एक बड़ी छलांग लगाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आज पेश किए गए राज्य के बजट में किए गए प्रावधान निश्चित रुप से महाराष्ट्र को मजबूत करेंगे। जबकि सभी क्षेत्रों में गिरावट आ रही है, कृषि क्षेत्र, जिसने ११.७ प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है, को और मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह बजट बुनियादी ढांचे के विकास को गति देते हुए समाज के सभी वर्गों के लिए एक राहत की बात है।

मुख्यमंत्री आज राज्य विधान मंडल के दोनों सदनों में पेश किए गए वर्ष २०२१-२२ के राज्य के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बोल रहे थे।

महाराष्ट्र कभी नहीं रुकेगा

देश में कोरोना का प्रकोप पूरी दुनिया के लिए संकट था और देश की अर्थव्यवस्था के साथ महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर उसका परिणाम हुआ था। पूरे वित्तीय वर्ष के लगभग आठ महीनों के लिए, उद्योगों और सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में प्रमुख योगदानकर्ता हैं, छंटनी के कारण बंद हो गए थे, हालांकि महाराष्ट्र कभी भी बंद नहीं हुआ है और कभी भी बंद नहीं होगा। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि तालाबंदी के बाद, महाराष्ट्र के कई हिस्सों में आर्थिक चक्र में तेजी आई है और अगर भविष्य में कोरोना संकट कम हुआ, तो महाराष्ट्र एक बार फिर पुरी गति से आगे जाएगा।

हेल्थकेयर और बुनियादी ढांचा विकास

स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त बनाने का प्रयास, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, नए मेडिकल कॉलेजों, प्रत्येक जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में पोस्ट-कोविड परामर्श केंद्र बजट से आए हैं।

समय पर फसल क्रृण चुकाने वालों को ब्याज मुक्त क्रृण

कृषि क्षेत्र और किसानों को राहत देने के लिए आज के बजट में कई निर्णय लिए गए हैं, जिन्होंने राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। शून्य ब्याज दर योजना उन किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जो समय पर ३ लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं।

कृषि उपज मंडी समितियों को मजबूत करने वाली योजना से निश्चित रुप से किसानों को लाभ होगा। यह कहते हुए कि सरकार कृषि और किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर कृषि पंपों के माध्यम से कृषि को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए सरकार के प्रयास, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना, अचार

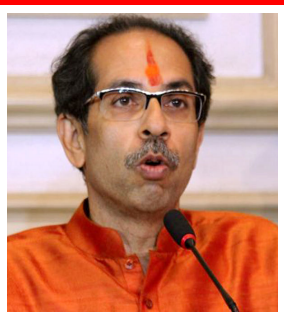

के माध्यम से कृषि उत्पादों के लिए गारंटी मूल्य प्राप्त करना मजबूत होगा।

महिला सशक्तिकरण

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं की घोषणा की गई। उन्होंने यह भी कहा कि उनका मानना है कि इससे महिलाओं को सच्ची गृहिणी बनने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि क्रांति सावित्रीबाई फुले योजना के माध्यम से ग्रामीण महाराष्ट्र के छात्रों को मुफ्त बस सुविधा प्रदान करने से लड़कियों शिक्षा प्राप्त करने के लिए सहायता होगी। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के लिए नई लॉन्च की गई संत जनाबाई सामाजिक सुरक्षा योजना, तेजस्विनी बसों की संख्या में वृद्धि, राज्य रिजर्व महिला पुलिस की स्वतंत्र टुकड़ी जैसे महत्वपूर्ण निर्णय आज के बजट में लिए गए हैं।

पर्यटन के माध्यम से विकास

हमने उद्योग, व्यवसाय, पर्यटन जैसे क्षेत्रों को रियायतें और सुविधाएं प्रदान की हैं जो राज्य के विकास में योगदान करते हैं और रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। हम राज्य में प्लग एंड प्ले जैसे अभिनव विचारों को लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पर्यटन के माध्यम से रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए इस क्षेत्र को आतिथ्य का दर्जा देने का महत्वाकांक्षी निर्णय लिया है। सरकार ने कृषि-पर्यटन नीति, कारवां, समुद्री तट, लोनार झील के विकास, किलों के संरक्षण, वन विकास जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरु की हैं। गोरेवाड़ा में बालासाहेब ठाकरे गोरेवाड़ा अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

बुनियादी ढांचे का विकास

कोरोना अवधि के दौरान १ लाख १२ हजार करोड़ रुपये के निवेश और ३ लाख नौकरियों के सृजन को राज्य में उद्योग को एक बड़ा बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में बुनियादी ढांचे के मेट्रो नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है राज्य। चाहे वह मेट्रो कोच हो, वर्ली शिवड़ी एलिवेटेड रोड या एमटीएचएल प्रोजेक्ट हो, हमने सभी कामों को गति दी है। हम मई से हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे समृद्धि राजमार्ग के पहले चरण की शुरुआत कर रहे हैं, मराठवाड़ा से इस राजमार्ग तक सड़कों का निर्माण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रेवास-रेड्डी मार्ग, पुणे-नागपुर मेट्रो के काम को गति देने के लिए किए जा रहे सभी प्रयास राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

बजट में पुणे, सड़कों, हवाई अड्डों, जलमार्ग, तेजी से रेलवे विकास और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवास परियोजनाओं के लिए धन के प्रावधान के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मुंबई में कई विकास परियोजनाओं के लिए बजट में भारी धनराशि प्रदान की गई है। बजट में स्वच्छ सरकारी कार्यालय, शिवराज्य सुंदर ग्राम जैसी नई योजनाएं भी प्रस्तावित की गई हैं।

आदिवासी मजदूरों को सांत्वना

आदिवासी मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजना इन मजदूरों के लिए एक बड़ी राहत होगी। आदिवासी आश्रम स्कूलों को मॉडल स्कूलों में परिवर्तित किया जाएगा। कटकरी, गोंड आदिवासी समुदाय के लिए एकीकृत बस्तियां उन्हें मुख्यधारा में लाने में भी उपयोगी होंगी। पहाड़ी विकास, धनगर बस्तियों के लिए बढ़ी हुई धनराशि प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तीर्थ स्थलों और प्राचीन मंदिरों के विकास के लिए बजट में भारी प्रावधान है।

संपादकिय

आरक्षण पर विचार जरुरी

पचास प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण देना सही है या नहीं, इसका फैसला करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट का गंभीर होना स्वागत योग्य है। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने आरक्षण के प्रावधानों और इसकी बदलती जरुरतों पर विचार शुरु कर दिया है। विगत वर्षों में एकाधिक राज्य ऐसे हैं, जहां ५० प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण देने की कोशिश हुई और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। पूरे देश में अभी यह भ्रम की स्थिति है कि क्या किसी राज्य को ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने की अनुमति दी जा सकती है? वर्ष १९९२ के इंद्रा साहनी मामले में संविधान पीठ के फैसले के बाद यह परंपरा रही है कि ५० फीसदी से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता। वैसे तो हमारी सरकारों को ही विधायिका के स्तर पर यह विचार कर लेना चाहिए था कि आरक्षण की सीमा क्या होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य है कि आरक्षण राजनीति का तो विषय है, पर उसे लेकर वैधानिक गंभीरता बहुत नहीं रही है। वैधानिक गंभीरता होती, तो सांसद-विधायक आरक्षण की सीमा पर संवाद के लिए समय निकाल लेते और मामला सुप्रीम कोर्ट तक नहीं पहुंच पाता।

अब अदालत को यह देखना है कि विगत दशकों में कैसे सामाजिक-आर्थिक बदलाव हुए हैं। इसके लिए अदालत ने सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों से जवाब दाखिल करने को कहा है। वास्तव में, मराठा आरक्षण को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की संविधन पीठ ने सुनवाई के दौरान जो कदम उठाए हैं, उनका दूरगामी और गहरा असर तय है। महाराष्ट्र सरकार मराठा वर्ग को विशेष आरक्षण देना चाहती है, जिस वजह से ५० प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हो रहा है, अत: अदालत ने इस आरक्षण पर रोक लगा दी थी। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार की शिकायत और अन्य याचिकाओं ने गहराई से विमर्श की पृष्ठभूमि तैयार की है। इसमें कोई शक नहीं, अगर महाराष्ट्र के मामले में ५० प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण को स्वीकृत किया गया, तो इसका असर सभी राज्यों पर पड़ेगा, अत: इसमें तमाम राज्यों की राय लेना एक सही फैसला है। सभी राज्यों को सुनकर एक रास्ता निकालना होगा, ताकि भविष्य में विवाद की स्थिति न बने। कई सवालों के हल होने की उम्मीद बढ़ गई है। क्या राज्यों को अपने स्तर पर आरक्षण देने का अधिकार है? क्या केंद्र सरकार के अधिकार में कटौती नहीं होगी? ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने से समाज के किसी वर्ग के साथ अन्याय तो नहीं होगा? आरक्षण का समानता के अधिकार से कैसे नया नाता बनेगा?

सर्वोच्च न्यायालय जब सुनवाई शुरु करेगा, तब अनेक जटिल सवालों के जवाब मिलते जाएंगे। संविधान की रोशनी में आरक्षण पर तथ्य आधारित तार्किक बहस जरुरी है, ताकि वंचित वर्गों को यथोचित लाभ मिले। सबसे अच्छा तरीका तो यही है कि आबादी के अनुपात में ही वंचितों को अवसर दिए जाएं। यह भी देखना है कि आज के समय में वंचित कौन है। वंचितों को अवसर देने की कोशिश में किसी के साथ अन्याय न होने लगे। चूंकि ५० प्रतिशत की मंजूर आरक्षण सीमा को २८ साल बीच चुके हैं, तो नई रोशनी में पुनर्विचार हर लिहाज से सही है। पुनर्विचार के जो नतीजे आएंगे, उससे देश की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक बुनियाद तय होगी। लोग यही उम्मीद करेंगे कि फैसला ऐसा आए, जो समाज को मजबूत करे।

हम हिन्द की नारियाँ...

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

महिला दिवस पर विशेष....

हमारे भारत देश में आज के आधुनिक युग में महिलाओं को पुरुषों के बराबरी का स्थान हासिल है। स्त्री-पुरुष समानता का भाव भी अब लोगों के दिलों में गहरा होता जा रहा है। एक समय ऐसा था जब स्त्रियों को केवल शोभा की वस्तु समझा जाता था। लेकिन स्त्रियों ने भी दिखा दिया है कि वह पुरुषों के मुकाबले में किसी भी क्षेत्र में उन्नीस नहीं है। आज के आधुनिक युग में हम अगर स्त्रियों के स्थान की व्याख्या करना चाहें तो हमें शब्द कम पड़ जाएंगे। पश्चिमी देशों के साथ ही आज हमारे भारत देश में भी स्त्रियों ने दिखा दिया है कि वह हर वो कार्य कर सकती है जिसमें केवल पुरुषों का ही एकाधिकार समझा जाता था। आज महिलाओं ने बड़ी-बड़ी कंपनियों, बैंको तथा उद्योगों में सी.ई.ओ. का पद हासिल कर लिया है।

रक्षा क्षेत्र में जहां स्त्रियों का जाना असंभव सा माना जाता था, वहां पर भी स्त्रियों ने अपना दम-खम दिखा दिया है। भारत की जल सेना, थल सेना तथा वायु सेना इन तीनों सेनाओं में स्त्रियों ने न केवल उच्च पद हासिल कर लिया है बल्कि उन्होंने अपने कौशल्य और बहादुरी के दम पर अपना एक विशेष स्थान भी बना लिया है।

आज हम देख सकते हैं कि महिलाएं शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अपना एक अलग स्थान बना रही है। हम देख सकते हैं कि बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा (KG Clases) देने में पुरुषों के मुकाबले में एक महिला शिक्षिका अपना दायित्व ज्यादा जिम्मेदारी पूर्वक निभा रही है, क्योंकि यह शिक्षा वह **माँ** बन कर देती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हम देखते हैं कि एक पुरुष डॉक्टर के साथ-साथ एक महिला परिचारिका की भी ख्याति होती रही है।

यह सब मैं एक महिला होने के नाते नहीं कह रही हूं, बल्कि आप स्वयं अनुभव कर सकते हैं। आज हमारे देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। आप स्वयं कल्पना कीजिए कि अगर महिलाओं को सिर्फ घर कार्य करने हेतु छोड़ दिया जाता तो हमारे देश की हालत महिला शक्ति के बिना क्या होती? मैं अपनी बातों से पुरुषों की अहमियत को कम नहीं करना चाहती, मैं तो बस इतना ही कहना चाहती हूं कि, देश की आधी आबादी अगर निष्क्रिय होकर केवल घर की शोभा बढ़ा रही होती तो हमारा भारत देश वह मुकाम शायद इतने थोड़े से वक्त में हासिल नहीं कर सकता था, जिस मुकाम पर आज हमारा देश खड़ा है।

हमारे देश की आर्थिक उन्नति में महिलाओं का भी योगदान उतना ही है जितना कि एक पुरुष का है। देश के विकास में इतना अधिक योगदान होते हुए भी महिलाओं के लिए क्यों यह पंक्तियां सच साबित होती रहती हैं कि...

क्यों है इसके जीवन में इतना हाहाकार?
क्यों नहीं इसे स्वतंत्रता का अधिकार?
क्यों बढ़ता जाए इस पर परिस्थितियों का अत्याचार?
क्यों होता रहे,
इसके मान-सम्मान का पल-पल बलात्कार?
है तमन्ना मिलकर करें सब महिलाओं का सत्कार।

मैं यह भी नहीं कहना चाहती कि सभी महिलाओं ने घर से बाहर जाकर हर क्षेत्र में अपना नाम ऊंचा किया है। मैं तो सिर्फ इतना ही कहूंगी कि, अगर पुरुषों ने अपने सामाजिक दायरे को बढ़ाया है तो उसके पीछे भी एक स्त्री का मजबूत और भावनात्मक सहयोग छुपा हुआ है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर गृहणी अपने परिवार को पूरा सम्मान नहीं देती, बच्चों की पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं देती, सास-ससुर को माता-पिता का दर्जा ना देती, देवर-ननद को भाई-बहन जैसा प्यार ना देती, तो क्या पुरुष निश्चित होकर इन सब दायित्वों का निर्वाह करते हुए अकेला ही सब कार्य कर सकता था? जी नहीं, बिल्कुल नहीं, क्योंकि आज का पुरुष भी नारी के सहयोग के बिना अधूरा ही है। सच पूछो तो नारी को हम सर्वगुण संपन्न होने का दर्जा दे सकते हैं क्योंकि, वह अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए, घर परिवार का पूरा ख्याल रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना एक महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अगर नारी कहीं नौकरी भी करती है तो वह अपने घर के दायित्वों का पूर्ण रुप से निर्वाह करते हुए अपने कर्म क्षेत्र को भी अपनाती है। गृहस्थ जीवन

भगवान को भी अपने गर्भ में रखने की ताक़त रखती हूँ,
कितना ही मुझे कुचलो मैं 'गर्व' से अपने सर को उठाकर चलती हूँ,
अपने "बच्चों" के लिए सारे 'जहर' आसानी से पी लेती हूँ।
हाँ मैं स्त्री हूँ.....

के दो पहिये माने गये है, एक पहिया पुरुष है तो दूसरे पहिये का स्थान नारी को हासिल है। क्योंकि उसके बिना गृहस्थ जीवन अथवा परिवार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

उन बच्चों से पूछिए जिनके सर पर मां का हाथ नहीं है, उन पुरुषों से पूछिए जिनकी जीवन-संगिनी का अकस्मात निधन हो गया है, वे आप सभी को भली-भांति समझा सकते हैं कि जीवन में स्त्री का महत्व हर एक रिश्ते में कितना जरुरी है। मैं भी एक नारी हूँ इसलिए नारी के रुप में निर्वाह किए गए अपने कर्तव्यों का मुझे पूर्ण ज्ञान है। मैं यह नहीं कह सकती कि नारी में कोई कमी नहीं होती। पर अगर उसमें कोई कमी रह जाती है, तो वह उस कमी की पूर्ति अपनी दूसरी खूबी से कर लेती है।

एक नारी पुरुष के सहयोग के बिना भी अपना जीवन, अपना परिवार कुशल तरीके से चला सकती है यही उसकी पहचान है।

भारतीय इतिहास से लेकर आज के वर्तमान युग तक हम नारी द्वारा किए गए कार्यों को भली-भांति देख सकते हैं...

क्या हम झांसी की रानी के कौशल्य और वीरता को भुला सकते हैं?

क्या हम इंदिरा गांधी द्वारा पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाले साहसिक कार्य को विसरा सकते हैं?

क्या हम हमारे देश की पूर्व रक्षा मंत्री और वर्तमान में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की देश को मजबूती देने और उनके बुलन्द इरादों को हम अनदेखा कर सकते है?

मैं अगर नारी शक्ति की व्याख्या करने बैठूंगी तो शायद कागज भी कम पड़ जाएंगे। कहने का एक छोटा सा अर्थ यह है कि, महिला दिवस के उपलक्ष में नारी के छोटे से योगदान को भी हमें याद रखना चाहिए।

सभी स्त्रियों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

आज के दिन नारी शक्ति से बस इतनी सी गुजारिश है कि वे अपने परिवार, समाज और देश के लिए अपने अंदर का बेहतर अर्पण करें और स्वयं को अबला न समझें। क्योंकि **अबला नहीं सबल है हम...**

मैं भी एक नारी हूँ...

सर्वश्रेष्ठ ८ प्राणायाम

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

रोग क्रोधजन्य हैं जो संसार के आघात, प्रतिघात, मारकाट और युद्धों को जन्म देते हैं। लोभजन्य दोष - परशोषण, चोरी, कंजूसी, स्वार्थ परायणता आदि हैं जो संसार की अधिकतर सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का मूल कारण है।

मनुष्य के गुण-दोष आकस्मिक नहीं होते इन दोषों के मूल कारण है -

१) पूर्वजन्म के संस्कार – जो लोग पूर्व जन्म में विश्वास नहीं रखते, उनके लिए मनुष्य जीवन की बहुत-सी समस्याएं अनसुलझी रह जाती है। असाधारण प्रतिभा, कहीं पूर्व जन्म की स्मृतियां, बचपन की प्रवृत्तियां, एक ही माता-पिता के एक सी परिस्थितियों में पले और शिक्षाएं पाए हुए भाई-बहनों में जो स्वभाव भेद पाया जाता है। उसमें पूर्व जन्म के संस्कार ही कारण पाए जाते हैं।

२) पैत्रक संस्कार – मनुष्य के चरित्र को प्रभावित करने वाली दूसरी वस्तु माता-पिता के दिए हुए संस्कार है। बच्चों पर माता-पिता के संस्कार दो प्रकार से पड़ते हैं। एक जन्म से पहले, दूसरे जन्म के पश्चात।

३) वातावरण – गंदे वातावरण में विकास पाया हुआ चरित्र सामन्यता दोषयुक्त होगा, अच्छे व्यक्तियों की संगति से मनुष्य के स्वभाव में बीज रुप से विद्यमान अच्छे संस्कारों का विकास होता है। तो बुरे लोगों की संगति से दोषयुक्त संस्कार पुष्टि पाते हैं।

४) अशिक्षा तथा कुशिक्षा – मनुष्य के चरित्र को स्थिर रुप देने का मुख्य साधन शिक्षा है। अन्य साधनों का प्रभाव परोक्ष तथा दूरवर्ती है। परंतु शिक्षा का प्रभाव प्रत्यक्ष तथा सीधा होता है।

५) असावधानता – मनुष्य के दोषों के प्रवेश और विकास का एक बड़ा कारण यह होता है कि वह समझदार होने पर असावधान होता है, वह समझने लगता है कि जो कुछ हो रहा है वह सब ठीक है, उसे नियंत्रण की कोई आवश्यकता नहीं है। जो दोष प्रवेश कर जाते हैं कभी उन्हें स्वभाविक और कभी आकस्मिक कहकर उपेक्षा कर देता है। परिणाम यह होता है कि दोष दृढ़ हो जाते हैं।

रोगों के कारण जैसे शरीर के सब दोष वात, पित्त, कफ इन तीन श्रेणियों में बांटे जाते हैं। उसी प्रकार आत्मा के सब दोष काम, क्रोध व लोभ इन तीन श्रेणियों में विभक्त किए जाते हैं। दोषों कि यह विशेषता है कि वह सीमित और उचित मात्रा में जीवन के साधन है। उस दशा में वे दोष नहीं रहते। शरीर के दोषों को ही लीजिए- बड़ा हुआ वात महादोष है और अनगिनत रोगों का निमित्त बन जाता है। परंतु वही परिमित मात्रा में शरीर की सब चेस्टाओं का कारण है। भड़का हुआ पित्त अनेक रोगों को जन्म देता है परंतु यदि पित्त न हो तो मनुष्य की जीवन शक्ति जाती है। परिमित कफ मस्तिष्क और छाती की शक्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक होता है। परंतु सीमा का अतिक्रमण करने पर भयानक दोष बन जाता है और कई विनाशकारी रोग उत्पन्न हो जाते हैं। इसी प्रकार काम, क्रोध व लोभ अपने परिमित प्रेम, मृत्यु तथा अभिलाषी के रुप में में मनुष्य के भूषण परंतु उग्र रुप में भयानक दूषण बन जाते हैं। शास्त्रों में दुखों के कारणों के विषय में कहा है -

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मन: ।
काम: क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत्र ॥

आत्मा को दुख रुपी नरक में ले जाने वाले तीन दोष हैं - काम, क्रोध तथा लोभ। मनुष्य इनसे बचें, विषय लम्पटता, मद्यपान ब्रह्मचर्य आदि रोग, अत्यंत कामवासना के परिणाम है, जो स्व बहुसंख्य शारीरिक तथा मानसिक रोगों के कारण बन जाते हैं। कठोरता, अत्यंत रोष, हिंसा में प्रवृत्ति आदि।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

शिवरात्रि

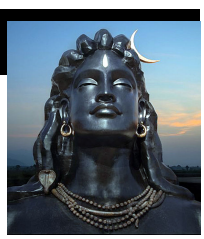

महाशिवरात्रि हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारंभ इसी दिन से हुआ। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (जो महादेव का विशालकाय स्वरुप है) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। साल में होने वाली १२ शिवरात्रियों में से महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत सहित पूरी दुनिया में महाशिवरात्रि का पावन पर्व बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। कश्मीर शैव मत में इस त्यौहार को हर-रात्रि और बोलचाल में **हेरथ** या **हेरथ** भी कहा जाता है।

अनुष्ठान : इस अवसर पर भगवान शिव का अभिषेक अनेकों प्रकार से किया जाता है। जलाभिषेक : जल से और दुग्धाभिषेक : दूध से। बहुत जल्दी सुबह-सुबह भगवान शिव के मंदिरों पर भक्तों, जवान और बूढ़ों का तांता लग जाता है। वे सभी पारंपरिक शिवलिंग पूजा करने के लिए जाते हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं। भक्त सूर्योदय के समय पवित्र स्थानों पर स्नान करते हैं। जैसे गंगा, या खजुराहो के शिव सागर में या किसी अन्य पवित्र जल स्रोत में। यह शुद्धि के अनुष्ठान हैं, जो सभी हिंदू त्योहारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पवित्र स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र पहने जाते हैं, भक्त शिवलिंग स्नान करने के लिए मंदिर में पानी का बर्तन ले जाते हैं महिलाओं और पुरुषों दोनों सूर्य, विष्णु और शिव की प्रार्थना करते हैं मंदिरों में घंटी और **शंकर जी की जय** ध्वनि गूंजती है। भक्त शिवलिंग की तीन या सात बार परिक्रमा करते हैं और फिर शिवलिंग पर पानी या दूध भी डालते हैं।

शिव पुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि पूजा में छह वस्तुओं को अवश्य शामिल करना चाहिए : शिव लिंग का **पानी, दूध** और **शहद** के साथ अभिषेक। **बेर** या **बेल के पत्ते** जो आत्मा की शुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। **सिंदूर का पेस्ट** स्नान के बाद शिव लिंग को लगाया जाता है। यह पुण्य का प्रतिनिधित्व करता है। **फल**, जो दीर्घायु और इच्छाओं की संतुष्टि को दर्शाते हैं। **जलती धूप, धन, उपज** (अनाज)। **दीपक** जो ज्ञान की प्राप्ति के लिए अनुकूल है। और **पान के पत्ते** जो सांसारिक सुखों के साथ संतोष अंकन करते हैं।

अभिषेक में निम्न वस्तुओं का प्रयोग नहीं किया जाता है : **तुलसी के पत्ते, हल्दी, चंपा** और **केतकी के फूल।**

ज्योतिर्लिंग : बारह ज्योतिर्लिंग (प्रकाश के लिंग) जो पूजा के लिए भगवान शिव के पवित्र धार्मिक स्थल और केंद्र हैं। वे स्वयम्भू के रुप में जाने जाते हैं, जिसका अर्थ है **स्वयं उत्पन्न।** बारह स्थानों पर बारह ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं।

१. सोमनाथ यह शिवलिंग गुजरात के काठियावाड़ में स्थापित है।
२. श्री शैल मल्लिकार्जुन मद्रास में कृष्णा नदी के किनारे पर्वत पर स्थापित है।
३. महाकाल उज्जैन के अवंति नगर में स्थापित महाकालेश्वर शिवलिंग, जहां शिवजी ने दैत्यों का नाश किया था।
४. ॐकारेश्वर मध्यप्रदेश में नर्मदा तट पर पर्वतराज विंध्य की तपस्या से खुश होकर वरदान देने प्रकट हुए थे शिवजी। जहां ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थापित हो गया।
५. नागेश्वर गुजरात के द्वारकाधाम के निकट स्थापित नागेश्वर ज्योतिर्लिंग।
६. बैजनाथ बिहार के बैद्यनाथ धाम में स्थापित शिवलिंग।
७. भीमाशंकर महाराष्ट्र की भीमा नदी के किनारे स्थापित भीमशंकर ज्योतिर्लिंग।
८. त्र्यम्बकेश्वर महाराष्ट्र के नासिक से २५ किलोमीटर दूर स्थापित है।
९. घुमेश्वर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एलोरा गुफा के समीप वेसल गांव में।
१०. केदारनाथ हिमालय में हरिद्वार से १५० पर मिल दूरी पर स्थित है।
११. काशी विश्वनाथ बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित।
१२. रामेश्वरम् त्रिचनापल्ली में मद्रास समुद्र तट पर भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित।

भारत में शिवरात्रि :

मध्य भारत में शिव अनुयायियों की एक बड़ी संख्या है। महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन सबसे सम्मानीय भगवान शिव का मंदिर है। जहां हर वर्ष शिव भक्तों की एक बड़ी मण्डली महा शिवरात्रि के दिन पूजा-अर्चना के लिए आती है। जेओनरा, सिवनी के मठ मंदिर में व जबलपुर के तिलवाड़ा घाट नामक दो अन्य स्थानों पर यह त्योहार बहुत धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। दमोह जिले के बांदकपुर धाम में भी इस दिन लाखों लोगों का जमावड़ा रहता है।

कश्मीरी ब्राम्हणों के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। यह शिव और पार्वती के विवाह के रुप में हर घर में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के उत्सव के ३-४ दिन पहले यह शुरु हो जाता है और उसके दो दिन बाद तक जारी रहता है।

महाशिवरात्रि आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के सभी मंदिरों में व्यापक रुप से मनाई जाती है।

बांग्लादेश के हिंदू महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने की उम्मीद में व्रत रखते हैं और दर्शनार्थ चंद्रनाथधाम (चिटगांव) जाते हैं। उनकी मान्यता है कि इस दिन व्रत व पूजा करने वाले स्त्री-पुरुष को अच्छा पति या पत्नी मिलती है। इस वजह से ये पर्व यहां खासा प्रसिद्ध है। महाशिवरात्रि को **नेपाल** में व विशेष रुप से काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में व्यापक रुप से मनाया जाता है। महाशिवरात्रि पर यहां भारत समेत विश्व के विभिन्न स्थानों से जोगी व भक्तजन आते हैं।

महिला दिवस की सार्थकता

दिया गाजीपुरे

आज संपूर्ण भारत वर्ष एवं विश्व में जागतिक महिला दिवस मनाया जा रहा है, और महिला सशक्तिकरण का संदेश संपूर्ण विश्व में दिया जा रहा है, आज के दिन संपूर्ण विश्व में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। विभिन्न कार्यक्रम महिला उत्थान के लिए चलाए जाते हैं। परंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में महिलाओं का उत्थान हो रहा है? आज भी ना जाने कितनी महिलाओं का शोषण दहेज उत्पीड़न हेतु होता है, न जाने कितनी महिलाओं को वेश्यावृत्ति में धकेल दिया जाता है, न जाने कितनी लड़कियां यौन उत्पीड़न का सामना करती है, न जाने कितनी लड़कियों का बाल विवाह करवा दिया जाता है, तो इस परिस्थिति में महिला सशक्तिकरण कैसा? महिला दिवस कैसा?

कहते हैं **नारी तू नारायणी**। अर्थात नारी स्वयं परमात्मा का स्वरुप है, लेकिन नारी को परमात्मा तो क्या उसे उसके हक का सम्मान भी मिल जाए, तो आज का महिला दिवस सार्थक हो जाएगा। महिलाएं स्वयं पर हुए अत्याचारों का विरोध स्वयं ही करने लग जाए तो समस्याओं से निपटा जा सकता है।

भारत सरकार द्वारा महिलाओं हेतु न जाने कितने कानूनों का परिचय करवाया गया है, परंतु आज भी है कानून केवल कागजों तक सीमित है।

आइए आज हम सभी मिलकर आज के महिला दिवस को सार्थक बनाएं और महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों से कहे अब बस..!

विश्व महिला दिवस के अवसर पर

मिशन शक्ति का शुभारंभ

गोंदिया – विश्व महिला दिवस के अवसर पर बालिकाओं व महिलाओं को खेल के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण देने के लिए मिशन शक्ति का शुभारंभ जिला क्रीड़ा संकुल में जिला क्रीड़ा अधिकारी राठौड़ के द्वारा किया गया। इस अवसर पर तहसील क्रीड़ा अधिकारी राजेंद्र शिंदे उपस्थित थे।

मिशन शक्ति के माध्यम से खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन व ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे जिले के प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में उच्च अवसर प्राप्त हो सके। साथ ही इस अवसर पर उपस्थित महिला अभिभावकों को पुष्पगुच्छ देकर महिला दिवस की हार्दिक शुभकामना दी गई तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी व तहसील क्रीड़ा अधिकारियों को महिला अभिभावकों द्वारा उनके बच्चों को खेल के क्षेत्र में सुविधाएं प्रदान करने के लिए धन्यवाद देते हुए पौधे प्रदान किए गए। मिशन शक्ति को सुचारु रुप से चलाने के लिए कराटे एसोसिएशन गोंदिया जिला, आष्टेडु मर्दानी अखाड़ा, कुडो एसोसिएशन गोंदिया जिला, गेम्स, स्पोर्ट्स एन्ड करियर डेवलपमेंट फाउंडेशन प्रयासरत है। इन संस्थाओं के द्वारा गोंदिया जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय के सहयोग से ग्रामीण व शहर के निम्न वर्ग की छात्राओं, महिला खिलाड़ियों को निशुल्क फिटनेस, मार्शल आर्ट, आत्मसुरक्षा हेतु कराटे, आष्टेडु मर्दानी अखाड़ा, कुडो, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स का प्रशिक्षण गोंदिया जिला क्रीड़ा संकुल मे प्रतिदिन सुबह ६.३० से ८.०० बजे तक दिया जायेगा। जिसमे ज्यादा से ज्यादा संख्या मे भाग लेकर इसका लाभ उठाये। भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जायेगा।

मिशन शक्ति प्रोजेक्ट डायरेक्टर कु.रवीना राजपूत, विशालसिंग ठाकुर, कराटे जिलाध्यक्ष, कुडो जिलासचिव दीपक सिक्का, नीलेश फुलबांधे, आष्टेडु मर्दानी अखाड़ा जिला सचिव चेतन मानकर, गेम्स, स्पोर्ट्स एन्ड करियर डेवलपमेंट फाउंडेशन अध्यक्ष सेंसई मुकेश शेडे, स्केटिंग कोच तुषार जुमड़े, एथलेटिक्स कोच जागृत सेलोकर, इंटरनेशनल रगबी खिलाडी प्रियंका बैस, नेशनल आष्टेडु अखाड़ा खिलाडी याशिका परमार, राज्यस्तरीय टेंगसुडो खिलाडी चेतना ठाकुर उपस्तिथ थे।

१५८ महिलाओं के गर्भाशय केंसर की जांच

शासकीय चिकित्सालय में आयोजित किया गसा शिविर

गोंदिया – अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शासकीय मेडिकल कॉलेज गोंदिया व प्रसूति और स्त्री रोग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के गर्भाशय केंसर स्क्रीनिंग केंप का आयोजन किया गया। जिसमें १५८ महिलाओं की जांच की गई।

उपरोक्त शिविर का उद्घाटन मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नरेश तिरपुड़े द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर गर्भाशय के केंसर को किस प्रकार रोका जा सकता है तथा उसकी चिकित्सा पद्धति पर मरीजों व उनके परिजनों को जानकारी दी गयी।

उपरोक्त शिविर के आयोजन के लिए महिला रोग विभाग के प्रभारी डॉ गरिमा बग्गा ने विशेष सहयोग किया तथा जांच किए गए मरीजों की स्क्रीनिंग रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज के डीन नरेश तिरपुड़े को दी गई। उपरोक्त अवसर पर शल्यक्रिया विभाग प्रमुख डॉ. नंदकिशोर जायसवाल, सोनोग्राफी विशेषज्ञ डॉ. गौरव बग्गा, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सायस केदे व शासकीय मेडिकल कॉलेज व जिला चिकित्सालय के चिकित्सक व कर्मचारियों के साथ ही अनेक महिलाएं उपस्थित थीं।

घटिया दर्जे के इनक्यूबेटर आपूर्ति करने वालों पर कब होगा मामला दर्ज - विधायक फुके

तारांकित प्रश्न में उठाया मुद्दा

गोंदिया - भंडारा के शासकीय जिला चिकित्सालय में हुए अग्निकांड में घटिया दर्जे का इनक्यूबेटर लगा होने से उसमें ब्लास्ट हुआ था, इस प्रकार के इनक्यूबेटर आपूर्ति करने वालों पर कब मामला दर्ज होगा। इस प्रकार का सवाल बजट अधिवेशन के दौरान सदन में गोंदिया-भंडारा जिले के विधायक परिणय फुके ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार से पूछे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अग्निकांड का आरोप दो ठेकेदारी पर कार्य करने वाली नर्सों पर थोपा गया है। क्या वास्तव में वह नर्स ही जवाबदार थी, कि केवल उन्हें बलि का बकरा बना कर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों व ठेकेदारों को बचाने का कार्य नर्सों को फंसा कर किया जा रहा है। मंत्रालय में गत ३ वर्षों से फाइलें टेबल पर धूल खा रही है क्या उन संबंधित अधिकारियों पर मनुष्य वध का मामला दर्ज किया जाएगा, तथा क्या संबंधित सिविल सर्जन व चिकित्सालय में कार्यरत डॉक्टरों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज होगा? अधिवेशन के दौरान रखे गए इस प्रश्न पर स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे द्वारा संज्ञान में लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

महिला सम्मान की शुरुआत करें, अपने ही घर से -डॉक्टर नितेश बाजपेई

गोंदिया – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बालाजी फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ.नितेश बाजपेई ने संस्था की महिलाओं का उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया और कहा कि बाहर जाकर महिलाओं को सम्मानित करने से बेहतर है कि अपने घर की महिलाओं का ही सम्मान करें। इसलिए शुरुआत हमने अपनी संस्था की महिलाओं से ही की है। जब सम्मान की श्रृंखला की शुरुआत घर से होगी तो हर दिन महिला दिवस होगा। संस्था की सचिव डॉ.मौसमी तिवारी ने कहा कि जब भी मौका मिलता है वह गरीब महिलाओं के लिए कुछ करने का प्रयास करती हैं। गोंदिया में गरीब महिलाओं को रोजगार मिले इसलिए उन्होंने मोजों के कारखाने की शुरुआत की और आज कारखाने में काम करने वालों में ९० प्रश महिलाएं ही हैं। नीलू राऊत ने निदान पैथोलॉजी के माध्यम से रोजगार पैदा किया, वहीं सोनल सोनछात्रा भी एक शिक्षिका होने के साथ-साथ जैविक सब्जियां व दूध के व्यापार को सफलतापूर्वक चला रही हैं।

कार्यक्रम में सहसचिव हर्षा शाह, चंदा सिंघनघुपे, निशा साधेपाचे, सपना दमाहे, नेहा पटेल, अनीता नागपुरे, डॉली नंदेश्वर, पूनम परीने, रागिनी, गोपेश बाजपेई आदि उपस्थित थे। उमेश दमाहे ने अपनी शुभकामनाओं के साथ संस्था की सभी महिलाओं का आभार माना।

बजट में विदर्भ के साथ महाविकास आघाडी सरकार ने किया अन्याय : फुके

महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी सरकार द्वारा ८ मार्च को पेश किए गए बजट में विदर्भ की जनता तथा पूर्व विदर्भ के किसानों से साथ भारी अन्याय किया है। इस प्रकार की बजट पर प्रतिक्रिया गोंदिया-भंडारा के विधान परिषद सदस्य डॉ.परिणय फुके ने दी है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी सरकार द्वारा ८ मार्च को पेश किए गए अपने बजट में गोंदिया व भंडारा जिले के सूखाग्रस्त किसानों को किसी भी प्रकार की मदद नहीं दी गई। साथ ही सोयाबीन व धान उत्पादक किसानों के लिए बजट में किसी भी प्रकार के मदद का प्रावधान नहीं किया गया। गोसीखुर्द प्रकल्प के लिए सरकार ने सिर्फ १ हजार करोड़ रुपए का नियोजन किया है, किन्तु पुणे व मुंबई के प्रकल्प के लिए हजारों करोड़ों रुपए का नियोजन किया गया है। इसमें भेदभाव क्यों? मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कुछ दिनों पूर्व गोसीखुर्द प्रकल्प को भेट दी थी, उस दौरान उन्होंने प्रकल्प के लिए भारी मदद करने की घोषणा की थी। क्या बजट में आज घोषित की गई राशि भारी मदद हैं? इस पर फुके ने प्रश्न चिन्ह निर्माण किया है। साथ ही कृषि मजदूर अन्य मजदूरों व कामगारों को किसी भी प्रकार की मदद या नुकसान भरपाई घोषित नहीं की गई।

पिछड़ा वर्ग के युवकों के लिए बजट में किसी भी प्रकार का नियोजन नहीं किया गया, वरिष्ठ समाज सेवक अन्नाभाऊ साठे की जन्म शताब्दी कुछ ही दिनों पूर्व हुई है। लेकिन उनके स्मारक के लिए बजट में नियोजन नहीं तथा भंडारा- गोंदिया जिले के विकास के लिए भी एक भी निधि नहीं दी गई है। साथ ही गोंदिया जिले के धार्मिक व पर्यटन स्थलों के विकास के लिए बजट में नियोजन नहीं महाविकास आघाडी सरकार विदर्भ विशेषकर पूर्व विदर्भ के किसानों व सामान्य नागरिकों को भूल चुकी है। इस प्रकार कड़े शब्दों में विधायक परिणय फुके ने सरकार को निशाने पर लिया।

सिंधी महिला समिति के कार्यो से मिलती है प्रेरणा - लोकेश यादव

गोंदिया की सिंधी जनरल पंचायत महिला समिति द्वारा हमेशा ही समाज के लिए अच्छे व उच्च स्तर के कार्य किए जा रहे हैं, जिसे देखकर अन्य समाज की महिलाओं को भी प्रेरणा मिलती है तथा महिला समिति समाज के लिए सदैव ही अपने हर दायित्व को बखूबी निभा रही है। ८ मार्च को महिला दिवस के अवसर पर पार्षद लोकेश कल्लू यादव द्वारा समिति को अपने दिए गए शुभकामना संदेश में कहा। आगे उन्होंने बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष तीज का कार्यक्रम एवं इस अवसर पर सुहागन महिलाओं को नेहंदी वह तीज माता की शोभायात्रा बड़े पैमाने पर आयोजित की जा रही है। साथ ही महिलाओं के लिए कुकिंग एवं बेकिंग की क्लास महिला समिति की अध्यक्ष तानिया बागवानी द्वारा बुजुर्गों के लिए दादी मां की पिकनिक ले जाई जाती है। जहां उन्हें अनेक प्रकार के खेल, मनोरंजन पार्क, तीर्थ स्थलों पर ले जाकर उनकी पुरानी यादें ताजा की जा रही है तथा १४ फरवरी को समिति द्वारा मातृ-पितृ पूजन दिवस भी मनाया गया तथा अपने माता-पिता से तथा बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया गया, जिसकी समाज में प्रशंसा की जा रही है।

महिला समिति के सदस्य अध्यक्ष तानिया भागवानी, सीमा दीवानी, एड. कीर्ति आहूजा, कविता पृथ्वानी, पूनम वाधवानी, रजनी होतवदानी, पूजा हसानी, वंदना कुंदनानी, आरती आडवाणी, हेमा कुंदनानी, पायल केसवानी, रेखा डोडवानी, चंद्रा लालवानी, कविता बजाज, संगीता चांदवानी, सोनम तोलानी, मानवी संतानी, कल्पना लधानी आदि सभी को स्वाति लोकेश यादव व लोकेश यादव द्वारा शुभकामना दी गई।

महाराष्ट्र सरकार का बजट पानी पर खींची लकीर - सांसद मेंढे

गोंदिया - महाराष्ट्र सरकार द्वारा ८ मार्च को पेश किए गए बजट के संदर्भ में गोंदिया-भंडारा जिले के सांसद सुनील मेंढे ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि उपरोक्त बजट में गरीब, सर्वसामान्य नागरिक, युवा, किसान व किसी भी प्रकार के वर्ग के हितों को अनदेखी किया गया है। जिससे यह बजट पानी पर खींची लकीरों के समान ही दिखाई दे रहा है। बजट सिर्फ मुंबई का ही नहीं पूरे महाराष्ट्र के लिए है, लेकिन इसमें यह दिखाई दिया कि यह सिर्फ मुंबई का ही बजट है। जिसमें धान उत्पादक किसानों, विद्युत बिल का प्रश्न पर एक भी शब्द नहीं कहा गया है। अपितु मुंबई और पुणे के प्रकल्प को भारी लाभ दिया गया व विदर्भ के प्रकल्पों को उपेक्षित रखा गया है, जिसमें किसी भी प्रकार के सामान्य वर्ग को राहत मिले ऐसा कुछ भी नहीं है।

जिले में शालाबाह्य बालकों की खोज करेंगे १०३९ पथक

१५ मार्च तक चलाया जाएगा अभियान

गोंदिया - रोजगार की तलाश में स्थलांतरित होने वाले परिवारों का कोई भी बालक शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, इसलिए जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने ५ से १५ मार्च तक विशेष खोज अभियान चलाने का निर्णय लेते हुए १०३९ उडनदस्तों का गठन किया है। हर गांव, शहर, ईंट भट्टियों, औद्योगिक क्षेत्र, रेलवे स्थानक, बस स्थानक एवं अन्य जगह घुम-घुमकर शालाबाह्य बालकों की खोज उडनदस्तों में शामिल बालरक्षक कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया तहसील में १८८, तिरोड़ा १३८, गोरेगांव १०८, अर्जुनी मोरगांव १३२, सडक अर्जुनी १०९, देवरी १४२, सालेकसा ११२ एवं आमगांव तहसील में ११० उडनदस्ते क्रियान्वित किए गए है। इस मुहीम में शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के अलावा आंगनवाड़ी सेविका व मदतनीस, समाजसेवी, ग्रामसेवक एवं अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

संयुक्त सर्वे का नियोजन स्कूल के शिक्षक, आंगणवाड़ी कर्मचारी व अन्य कर्मचारी कर रहे है। कोई भी बालक शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, इसलिए वंचित बालकों की खोज कर उन्हें स्कूलों में दाखिला देने का कार्य किया जा रहा है। अब तक अनेक बालक इस मुहीम के तहत शिक्षा के प्रवाह से जुड़े है।

– **कुलदीपिका बोरकर,** जिला समन्वयक, बाल रक्षक, समग्र शिक्षा विभाग, गोंदिया

उल्लेखनिय है कि इसके पहले शिक्षा विभाग ने ९ से १२ फरवरी को शालाबाह्य बालकों की खोज मुहीम चलाई थी। जिसमें मिशन ईट भट्टियों के तहत ४०२ ईट भट्टियों तक पहुंचकर १९५ बालकों की खोज की थी। उसी प्रकार १२ व १२ फरवरी को अन्य जगह के ५० बालक ढुंढे गए। गौरतलब है कि गोंदिया के शिक्षा विभाग ने शालाबाह्य बालकों की खोज कर उन्हें शिक्षा के प्रवाह से जोडने के मामले में राज्य में अपनी एक अलग पहचान बनायी है। यह परंपरा आगे कायम रखने के लिए शिक्षा विभाग प्रयास कर रहा है।

४ शालाबाह्य बालकों को शिक्षाधिकारी ने दिलवाया स्कूल में दाखिला

शिक्षा विभाग द्वारा शालाबाह्य बच्चों की खोज कर उन्हें स्कूलों में दाखिला देने की मुहीम युद्धस्तर पर जारी है। इस मुहीम में प्राथमिक शिक्षाधिकारी राजकुमार हिवारे ने स्वयं हिस्सा लेते हुए ईट भट्टियों पर पहुंचकर शालाबाह्य बालकों की खोज कर उनका स्कूल में दाखिला करवाया गया। महिला दिवस के अवसर पर शिक्षाधिकारी द्वारा इस तरह ग्राउंड लेवल तक पहुंचकर काम करने का तरीका अनेकों को अच्छा लगा। शिक्षा विभाग द्वारा शालाबाह्य बालकों की खोज के लिए १०३९ दस्ते बनाए गए है। जिसमें शामिल हजारों बालरक्षक यहां-वहां घुमकर खोज कर रहे है। ८ मार्च को शिक्षाधिकारी हिवारे स्वयं अतिदुर्गम देवरी तहसील के सुरतोली क्षेत्र में ईट भट्टि व अन्य औद्योगिक परिसर में घुमकर बालकों की खोज की गई।

इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य से आए हुए ४ बालक पाए गए, जिन्हें करीबी जिला परिषद आदर्श केंद्रिय वरिष्ठ प्राथमिक शाला लोहारा में दाखिल किया गया। विद्यार्थियों के नाम राधिका लक्ष्मण जांगडे कक्षा पहली, टिकेश्वर लक्ष्मण जांगडे कक्षा सातवीं, मिथिलेस चंद्रिका पाठक कक्षा दुसरी एवं अंशु मानकु यादव कक्षा पहली का समावेश है। इस दौरान देवरी के गटशिक्षणाधिकारी महेंद्र मोटघरे, शिक्षा विस्तार अधिकारी डी.बी. साकुरे, लोहारा के प्रमुख सत्यवान गजभिये, सहायक शिक्षक जी.बी. देसाई, मुख्याध्यापक जे. एम. टेंभरे आदि उपस्थित थे।

पतंजलि महिला योग तहसील समिति

अर्जुनी मोरगांव – विश्व महिला दिवस के अवसर पर अर्जुनी मोरगांव तहसील की पतंजलि महिला योग समिति द्वारा बहुउद्देशीय हाईस्कूल के श्री शाहू महाराज सभागृह में आयोजित किए गए योग कार्यक्रम का उद्घाटन दादा फुंडे, अध्यक्षता कांताबाई पाउलझगड़े प्रमुख अतिथि गोविंदराव ब्राम्हणकर, राहुल ब्राम्हणकर, गीता ब्राम्हणकर, रोहिणी कुंभारे, प्रेमलता ब्राम्हणकर, प्रतिभा गुंडे, लीना ब्राम्हणकर, संगीता तोतले आदि उपस्थित थी। इस अवसर पर दादा गुंडे ने अपने संबोधन में कहा कि महिला एक परिवार नहीं, वरन संपूर्ण जग की जननी है। जिसे स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने के लिए योग महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन रंजना ब्राम्हणकर तथा आभार यमुना ब्राम्हणकर ने माना।

महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे आकर करे सहभाग -पार्षद निर्मला मिश्रा

गोंदिया – विश्व महिला दिवस के अवसर पर सोमवार ८ मार्च को बेस्ट फ्रेंड्स बहुउद्देशीय महिला संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पार्षद व भाजपा शहर महिला अध्यक्ष निर्मला मिश्रा ने मार्गदर्शन करते हुए भारत सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा महिलाओं को आवाहन किया कि वे सभी क्षेत्रों में वह आगे बढ़ कर अपना सहभाग दें।

उपरोक्त कार्यक्रम सिविल लाईन इंजिन शेड नगर परिषद स्कूल में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर सरोज शरद ठाकुर, शमीम बानो पठान, चंदा रामदेव मिश्रा, रंजना जगदीश मेश्राम, मेघा नरेंद्र ब्राम्हणकर, डिलेश्वरी सुनील पाटिल, सारिका रविंद्र सोनी, लता मानकर, लता पटले, ज्योति राऊत व बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

संक्षिप्त समाचार

चाकू से हमला कर उतारा मौत के घाट

रावणवाड़ी थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम खातिया में छोटी सी बात को लेकर आरोपी ने ग्राम के ही ४५ वर्षीय व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने अपने घर में बर्थडे पार्टी का आयोजन किया। इसी दौरान आरोपी का एक मित्र गोपीचंद डोंगरे के घर के आंगन में उल्टी कर रहा था। जिसको लेकर उसने आरोपी के मित्र को हड़काया इस बात को लेकर आरोपी आवेश में आ गया तथा गोपीचंद के छाती व पीठ पर चाकू से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। फर्यादी रेखा सुनिल डोंगरे की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ रावणवाड़ी थाने में धारा ३०२ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिसकर्मचारी उमेश पाटिल कर रहे है।

चोरी का मामला दर्ज

अर्जुनी मोरगांव थाना अंतर्गत फर्यादी मनोहर महादेवे चन्ने (६३) के घर का सामने का दरवाजा तोड़ अज्ञात चोरो ने भीतर प्रवेश किया तथा सोने के जेवराट व नगदी ६ हजार रुपए ऐसा कुल मिलाकर ४९ हजार का माल लेकर फरार हो गए। फर्यादी की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा ४५४, ४५७, ३८० के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस कर्मचारी खवसकर कर रहे है।

ट्रैक्टर की टक्कर से मृत्यु

केशोरी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम गवर्रा समीप दुपहिया क्रमांक एमएच ३३ झेड़ १३११ का चालक पेट्रोल भराने हेतु केशोरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान फर्यादी के बड़े भाई को विपरित दिशा से आ रहे ट्रैक्टर क्र. एमएच ३५. एजी ८९८७ व ट्राली क्र. एमएच ३५ एफ ३०९४ के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी जिसके चलते उसकी घटनास्थल में ही मौत हो गई। फर्यादी महेंद्र रघुराम कुंभरे (२७) निवासी चिखली की शिकायत के आधार पर केशोरी थाने में धारा २७९, ३०४ (अ) भादवी सहकलम १८४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिसकर्मचारी निखाडे कर रहे है।

फांसी लगाई

शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले गोवर्धन चौक छोटा गोंदिया निवासी सुभाष नामदेव डोंगरवार (४८) ने मवेशियों के गोठे में लोहे के एंगल व नायलॉन रस्सी की सहायता से फांसी लगारक आत्महत्या कर ली। फर्यादी की शिकायत के आधार पर शहर थाने में धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जहर के सेवन से मृत्यु

रावणवाड़ी थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम कासा/काटी निवासी जमचंद बालचंद खैरवार (४०) ने किन्ही अज्ञात कारण के चलते जहर का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। गोंदिया शहर पुलिस की ओर से जारी किए गए मेमो के आधार पर रावणवाड़ी थाने में धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस हवलदार राजु वरखडे कर रहे है।

वाहन दुर्घटना

चिचगढ़ पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पलानगांव निवासी आरोपी मृतक पन्नालाल देव सयाम (३६) ७ मार्च को अपने दुपहिया वाहन को लापरवाही पूर्वक चलाते हुए ग्राम मुरमाड़ी के डामर मार्ग के बाजू में स्थित नाली में टक्कर मारकर गिर गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई तथा दुपहिया में उसके साथ सवार फरियादी ललितकुमार हरिलाल अरकरा (१८) निवासी पदमपुर गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जिस के बयान के आधार पर चिचगढ़ पुलिस थाने में धारा २७९, ३३७, ३०४(अ) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पो.हवा. मासरकर द्वारा की जा रही है।

कत्लखाने के लिए मवेशियों का अवैध परिवहन

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले पानगांव में ८ मार्च की सुबह ४ से ४.३० बजे के दौरान आरोपी क्रमांक १ व २ अपने विभिन्न वाहनों ट्रक अवैध रुप से मवेशियों को कत्लखाने ले जाया जा रहा था। उपरोक्त वाहन में मवेशियों को निर्दयता पूर्वक रखकर चारे व पानी की व्यवस्था नहीं की गई थी तथा आरोपी क्रमांक ३ व ४ के मालकीयत के मवेशी तथा आरोपी क्रमांक ५ व ६ के ट्रक छोटे बड़े ३३ मवेशियों को छुड़ाया गया। उपरोक्त मामले में आरोपियों के खिलाफ फरियादी पूना सोनवाने की लिखित शिकायत के आधार पर सालेकसा पुलिस थाने में धारा ३, ११, १, क,घ,ड,ज प्राणियों को निर्दयता पूर्वक प्रतिबंधक कानून १९६० महाराष्ट्र प्राणी संरक्षण अधिनियम तथा पुलिस अधिनियम की धारा ५, अ, २, ६, ९ सहायक धारा १८४ मोवाका के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक भीष्माराज सोरते द्वारा की जा रही है।

क्या आप परेशान हैं?

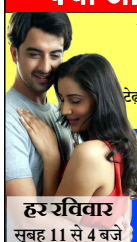

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया
हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे
संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

एसटी की आय में प्रतिदिन हो रही गिरावट

दुसरे जिलों में हो रहे कोरोना संक्रमण का असर

गोंदिया – कोरोना महामारी के चलते अनेक दिनों तक एसटी की यात्री सेवा बंद होने के कारण राज्य परिवहन निगम की आर्थिक स्थिती डगमगा गई थी। लगभग ७ माह बाद यात्री सेवा शुरु होने के बाद धीरे-धीरे बस फेरियां व यात्रियों की संख्या बढने के कारण रापनि की बिगडी हुई आर्थिक स्थिती पटरी पर लौट ही रही थी कि कोरोना की दुसरी लहर आ गई। जिसका तगड़ा झटका रापनि को लगने लगा है।

मार्च की शुरुआत से ही यात्रियों की संख्या कम होने के कारण गोंदिया डिपो के प्रतिदिन की आय में २ से ३ लाख रुपए की गिरावट आ गई है। डिपो प्रबंधक संजना पटले ने जानकारी देते हुए बताया कि अनलॉक के तहत यात्री सेवा शुरु करने के बाद धीरे-धीरे एसटी की यात्री सेवा को अच्छा प्रतिसाद मिलने लगा था। गोंदिया डिपो से प्रतिदिन ३२० बस फेरियां लगभग २५ हजार किलोमीटर दुरी तय करती थी। जिसके माध्यम से गोंदिया डिपो को प्रतिदिन ९-१० लाख रुपए की आय प्राप्त हो रही थी। लेकिन कोरोना की दुसरी लहर राज्य के कुछ जिलों में आने के कारण राज्य परिवहन निगम की यात्री सेवा प्रभावित हो गई है। राज्य के कुछ जिलों में लॉकडाउन घोषित किया गया। जिसके बाद २० से २८

फरवरी तक गोंदिया डिपो से प्रतिदिन चलने वाली नागपुर, अमरावती, अकोला, बुलढाणा, उमरखेड, नांदेड, माहुर, लोणार जैसी लंबे पल्ले की बस फेरियां रद्द की गई। जिससे रापनि को बड़ा नुकसान पहुंचा है। १ मार्च से एसटी की सभी बस फेरियां शुरु तो हुई है। लेकिन यात्रियों का प्रमाण पहले जैसा नहीं है। कोरोना की दहशत के कारण नागरिक यात्रा के लिए स्वयं के वाहनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। जिससे एसटी में यात्री कम हो रहे है। पहली लहर के बाद अब कोरोना की दुसरी लहर भी राज्य परिवहन निगम के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है।

डिजल के दाम बढने से विपरित असर

पिछले दो माह में डिजल के दाम में लगभग ४ रु रुपए प्रति लिटर बढ़ोतरी हुई है। राज्य परिवहन निगम को एक दिन में लाखों लिटर डिजल की आवश्यकता होती है। डिजल के दाम बढने से खर्च बढ़ गया है, लेकिन यात्रियों से पहले जैसी ही टिकीट लिया जा रही है। जिससे आमदनी कम एवं खर्च अधिक हो रहा है। बढ़ती महंगाई एवं कोरोना का एक साथ रापनि को तगड़ा झटका लग रहा है।

यात्रियों का प्रतिसाद हुआ कम

राज्य के कुछ जिलो में कोरोना मरीजों की संख्या फिर से बढने लगी है। जिससे एसटी में यात्रियों का प्रतिसाद कम हो गया है। फरवरी के तिसरे सप्ताह से लगातार यात्रियों में एवं रापनि की आय में गिरावट आने लगी है। गोंदिया डिपो को पहले प्रतिदिन ९ से १० लाख रुपए की आय होती थी। जो अब ६-७ लाख रुपए में सिमट गई है।

– संजना पटले, डिपो प्रबंधक, गोंदिया

१०वीं व १२वीं की परीक्षा होंगी ऑफलाइन –शिक्षा मंत्री गायकवाड़

मुंबई – राज्य में १०वीं और १२वीं की परीक्षा ऑफलाइन ली जाएंगी, इस प्रकार की जानकारी शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने विधानसभा में दी। इस संदर्भ में विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने विधानसभा में विषय उठाया था, जिसका जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने बताया कि १०वीं व १२वीं की परीक्षा यह महत्वपूर्ण विषय होने से इस संदर्भ में शिक्षा विभाग के माध्यम से विभिन्न विषयों पर चर्चा की जा रही है। जिसके अनुसार ही दोनों परीक्षाएं ऑफलाइन लिए जाने का निर्णय लिया गया है। दसवीं की परीक्षा के लिए अंदाजा १६ लाख तथा बारहवीं की परीक्षा के लिए १५ लाख विद्यार्थी राज्य में है। कोरोना संक्रमण के चलते गत शैक्षणिक वर्ष परेशानियों में चला था तथा वर्तमान में भी राज्य में संक्रमण का असर बढ़ रहा है। जिसके चलते विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता किस प्रकार दी जाए तथा परीक्षा सुरक्षा की दृष्टि से किस प्रकार सुरक्षित रुप से जी जाए इसका भी प्रयास किया जा रहा है। साथ ही दूरदर्शन के सहयाद्री चैनल के माध्यम से १५ मार्च से विभिन्न विषयों के संदर्भ में जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा। अन्य मंडल की परीक्षा की तारीख देखने के पश्चात ही समयसारणी घोषित की जाएंगी। इस प्रकार की जानकारी शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने विधानसभा में दी।

केशोरी के सोयगावटोली जंगल परिसर में नक्सलियों द्वारा लगाया गया विस्फोटक बरामद

गोंदिया - केशोरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले सोयगावटोली जंगल परिसर में ३ मार्च कि सुबह नक्सलियों द्वारा लगाया गया विस्फोटक गोंदिया पुलिस द्वारा जप्त किया गया। पुलिस सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे को गुप्त जानकारी प्राप्त हुई की उपरोक्त जंगल परिसर क्षेत्र में पुलिस दल पर हमला करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा विस्फोटक सामग्री लगाई गई है। जानकारी प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी, देवरी के उपविभागीय पुलिस अधिकारी जालिंदर नालकुल के मार्गदर्शन में सी-६० कमांडो पथक देवरी, केशोरी पुलिस थाने के अधिकारी, सशस्त्र चौकी भरनोली के अधिकारी व कर्मचारी तथा बी.डी.डी.एस. पथक द्वारा सोयगावटोली जंगल परिसर में सर्च ऑपरेशन शुरु किया गया। जिसमें परिसर के एक नाले में जर्मन का एक संदेहास्पद डिब्बा दिखाई दिया, जिसे बी.डी.डी. एस. पथक व श्वान पथक के माध्यम से जांच की गई। जिसमें नक्सलियों द्वारा हमला करने के उद्देश्य से विस्फोटक सामग्री रखी थी। जिसे बाहर

निकालने पर उसमें ९ जीवित डेटोनेटर, ३ जिलेटिन की डंडी, रसायन मिश्रित रेत शामिल थी। जिसे जप्त कर केशोरी पुलिस थाने में धारा ४, ५ विस्फोटक पदार्थ कानून के तहत अज्ञात नक्सलवादियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। तथा आगे की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नालकुल द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नालकुल, केशोरी के थानेदार संदीप इंगले, पुलिस उप निरीक्षक ठवकर, पो.उ.नि. मुल्ला, मारंग, जीवन पाटिल, सी-६० कमांडो पथक देवरी, बी.डी.डी.एस. पथक गोंदिया के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा की गई।

वीडियो गेम पार्लर पर छापा, ५३ आरोपियों पर मामला दर्ज

कोरोना नियमो का उल्लंघन कर चलाए जा रहा था

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले नंगपुरा मुर्री लाल पहाड़ी के समीप कुंभारे नगर में एक विडियो गेम हाऊस में कोरोना के नियमों का उल्लंघन कर वीडियो गेम पार्लर चलाया जा रहा था। जिसकी गुप्त जानकारी प्राप्त होने पर गोंदिया शहर पुलिस द्वारा ७ मार्च की शाम को छापामार कार्रवाई की गयी। जिसमें ५३ आरोपियों पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गेम हाऊस के मालिक कुंभारे नगर निवासी ३९ वर्षीय व्यक्ति व मैनेजर सिंधी कॉलोनी निवासी महेश रामकुमार बाधवानी द्वारा गेम हाउस में मनोरंजन खेल की मंजूरी की आड़ में जुए का अड्डा चलाया जा रहा था। जिसमें कोरोना के नियमों का भी उल्लंघन रहा था। विशेष यह है कि जिलाधिकारी द्वारा कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न धाराएं व नियम लागाये गये हैं, बावजूद इसके बड़ी संख्या में गेम हाउस में लोग एकत्रित होकर जिलाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करते हुए पाए गए।

उपरोक्त मामले में शहर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ फरियादी सहायक निरीक्षक विजय राणे की लिखित शिकायत पर अपराध क्रमांक ८२, २०२१ धारा १८८, २६९ सहायक धारा ३७ (१), ३ महाराष्ट्र पुलिस कानून की सहायक धारा ५१ आपत्ती व्यवस्थापन कानून के तहत मामला दर्ज किया गया तथा आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक श्रीकांत मोरे द्वारा की जा रही है।

तुमसर से कटंगी तक चली मालगाड़ी, अब बढ़ी पैंसेजर गाड़ी की उम्मीद

संवाददाता तुमसर – कटंगी तक पैंसेजर गाड़ी चलाने की मांग नागरिक कर रहे थे। इसी बीच २८ फरवरी को तुमसर रोड़ से तिरोड़ी होते हुए कटंगी तक पहली मालगाड़ी चलने से नागरिकों की उम्मीद बढ़ गई है। आने वाले दिनों में तुमसर से कटंगी तक पैंसेजर गाड़ी चलाई जा सकती है। जिसका लाभ तुमसर समेत संपूर्ण भंडारा जिले को मिलेगा। वहीं तुमसर- कटंगी रेल मार्ग ३१ मार्च २०२१ तक पूर्ण होने की उम्मीद जताई जा रही है। कटंगी से शिवनी ब्राडगेज लाइन का प्रस्ताव रेलवे मंत्रालय को भेजा है। इसमें अंतर ५० किमी का है। तुमसर से शिवनी तक रेल लाइन डाल जाती है तो उत्तर भारतीयों को को दिल्ली जाने के लिए सुविधा होगी। आमला से दिल्ली के लिए रेल रुट उपलब्ध है। ब्राडगेज रेल लाइन बनने के बाद छिंदवाड़ा और आमला जाने के लिए भी सुविधा होगी।

विधायक विनोद अग्रवाल के हस्ते ९ करोड़ ८७ लाख के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ

गोंदिया – विधायक विनोद अग्रवाल के हस्ते हाल ही में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में ९८७.९४ लाख के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ कर विकास कार्यों को गति दी।

विधायक अग्रवाल के प्रयासों से गांव के विकास हेतु अनेक कार्य किए जा रहे हैं। संकल्प है कि हर आम आदमी जो मूलभूत संसाधनों से वंचित हैं, उसका विकास हो, साथ ही गांव की तरक्की के लिए उसे संसाधनों से परिपूर्ण किया जा सके। इसी विकास संकल्प की कड़ी में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामों में करोड़ों रुपयों के लागत से विकास कार्यों की शुरुवात की गई। विधायक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सीमेंट, कॉन्क्रीट रोड व डामरीकरण रास्ता बांधकाम हेतु अनेक कार्य मंजूर कराएं है जिनका शुभारंभ २७ फरवरी को किया गया। उपरोक्त कार्यों में १५५.४१ लाख की लागत से नंगपुरा-मुर्री-शेन्द्रीटोला रोड बांधकाम, १६४.२१ लाख रुपये की लागत से भागवतटोला-हिवरा रोड बांधकाम, १३०.२२लाख रुपयों की लागत से चुटिया-लोधिटोला सीसी रोड नाली बांधकाम, ३४९.६९ लाख रुपयों की लागत से चुटिया-रापेवाड़ा रोड बांधकाम, ९९.७७ लाख रुपयों की लागत से टेढ़वा-मरारटोला सीसी रोड नाली बांधकाम तथा ८८.६४ लाख रुपयों की लागत से ढाकनी- फत्तेपुर रोड, नाली का बांधकाम ऐसे कुल ९ करोड़ ८७ लाख ९४ हजार के कार्यो का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ढाकनी सरपंच नानदेव शहारे, फत्तेपुर सरपंच वनिता बघेले, नंगपुरा सरपंच ओमप्रकाश रहांगडाले, सरपंच पिंडकेपार सुधीर चंद्रिकापुरे, हिवरा सरपंच ब्रिजलाल मारगाये, चुटिया सरपंच केलाश गजभिये, उपसरपंच अजित टेंभरे, लोधिटोला सरपंच संजय ठाकरे, रापेवाड़ा सरपंच जीवन चौहान, टेढ़वा सरपंच गोविंद तुरकर, पूर्व जिप सभापति शैलजा कमलशे सोनवाने, पूर्व पंस सदस्य दीपा सुधीर चंद्रिकापुरे, पूर्व पंस सदस्य रामराज खरे, चाबी संगठन ग्रामीण अध्यक्ष छत्रपाल तुरकर, सुभान रहांगडाले, रमेश गौतम, बलिराम शरणागत, तीर्थराज रहांगडाले, सालिक रसके, देवलाल मात्रे, मोहन गौतम, मोहन राणे व ग्राम के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

आवश्यकता है

गोशाला में गो-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।